पाठ 5. बचपन के दिन

पाठ का उद्देश्य

कक्षा में इस पाठ का मौन वाचन करने से बच्चों में वाचन कौशल का विकास होगा। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के चरित्र की विशेषता पढ़ने से उन्हें धर्मनिरपेक्ष बनने की प्रेरणा प्राप्त होगी। वे साहसी व कर्मशील बनेंगे तथा उनमें आशा और विश्वास की भावना का जन्म होगा। इस प्रकार उन्हें अब्दुल कलाम की तरह जीवन में महान बनने की प्रेरणा मिलेगी।

- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को पाठ का मौन वाचन करने को कहें।
- वाचन करने के बाद बच्चे पाठ पर आधारित प्रश्न बनाएँगे।
- कक्षा में बच्चे एक-दूसरे से प्रश्न पूछेंगे। इस प्रकार वे आपस में तर्क करना सीखेंगे।
- बच्चे इस कहानी को कक्षा में पूर्ण हाव-भाव सहित सुना सकते हैं।

इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की भाषा संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। वे इस कहानी को जब कक्षा में हाव-भाव सहित तथा पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ सुनाएँगे तो इससे उनकी शारीरिक क्रिया संबंधी तथा संगीत एवं लय संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता को विस्तार मिलेगा। प्रश्न निर्माण करने, प्रश्न पूछने तथा उत्तर देने से उनकी सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।